संक्षिप्त खबरें

शर्मा अध्यक्ष व भंडारी सचिव बने

देहरादून। सरस्वती विहार विकास समिति की आम सभा में नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें बीपी शर्मा अध्यक्ष व मोहन सिंह भंडारी को सचिव चुना गया। इसके अलावा एसएस गुसाईं वरिष्ठ उपाध्यक्ष, बीपी बलोनी कनिष्ठ उपाध्यक्ष, गजेन्द्र सिंह भंडारी सहसचिव, वेद किशोर शर्मा संगठन मंत्री, मंगल सिंह कुट्टी कोषाध्यक्ष व बीएस रावत को निर्विरोध लेखा निरीक्षक चुना गया। चुनाव अधिकारी कुंदन सिंह बिष्ट की देखरेख में वर्ष 2012-15 तक के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया है।

कपूर व शर्मा मनोनीत

देहरादून। राष्ट्रीय एकता एवं जनकल्याण संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार अनेजा ने अधिवक्ता ओम सिंह कपूर को संस्था के संचालक मंडल का कानूनी सलाहकार व सुशील शर्मा को वरिष्ठ महासचिव मनोनीत किया है। मनोनीत सदस्यों का कहना है कि वे संस्था के हित में पूरी तन्मयता से कार्य करेंगे।

आज से आमरण अनशन पर बैठेंगे प्रशिक्षु

देहरादून। सहायक अध्यापक संवर्ग में समायोजन की मांग को लेकर बीटीसी प्रशिक्षित शिक्षा मित्र महासंघ का क्रमिक अनशन सोमवार को 29 वें दिन भी जारी रहा। मंगलवार से उन्होंने आमरण अनशन की चेतावनी दी है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान सिंह बिष्ट ने कहा कि शिक्षा मंत्री ने उन्हें 18 अगस्त की समीक्षा बैठक में कोई समाधान निकालने का आश्वासन दिया था जबकि समायोजन को लेकर कोई बात नहीं की गई। उन्होंने कहा कि मंत्री ने आश्वासन दिया था कि हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर यहां भी दो साल बीटीसी की ट्रेनिंग ले चुके शिक्षा मित्रों को प्राथमिक में सहायक अध्यापक में नियुक्ति दे दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के दो-दो बार लिखित आदेश देने के बावजूद विभागीय अधिकारी उन्हें दबा के बैठे हैं। प्रशिक्षितों ने मंगलवार से शिक्षा निदेशालय पर ही आमरण अनशन पर बैठने की चेतावनी दी है।

कर्मचारियों का जत्था दिल्ली रवाना

देहरादून। अधिकारी-कर्मचारी शिक्षक संघर्ष मोर्चा के बैनर तले लगभग एक हजार लोगों का जत्था दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। यह कर्मचारी पदोन्नति में आरक्षण को समाप्त करने के सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के निर्णय को लागू करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय स्तर पर मंगलवार को आयोजित होने वाले धरने-प्रदर्शन में शामिल होंगे।पदोन्नति में आरक्षण व्यवस्था खत्म करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय स्तर पर दिल्ली के जंतर-मंतर में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया है। आरक्षण विरोधी इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रदेशों के हजारों कर्मचारी भाग ले रहे हैं। उत्तराखंड से भी लगभग एक हजार कर्मचारी इस धरना-प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। इसी बाबत कर्मचारियों का जत्था दिल्ली रवाना हुआ है। अधिकारी, कर्मचारी-शिक्षक संघर्ष मोर्चा के संयोजक सदस्य सुनील दत्त कोठारी व सुभाष देवलियाल ने कहा कि कर्मचारियों के लिए लगभग 15 बसों की व्यवस्था की गई है। मोर्चा के कुछ पदाधिकारी देहरादून में ही हैं, जो दिल्ली में शामिल पदाधिकारियों से लगातार संपर्क में रहेंगे। उन्होंने कहा मोर्चा ने प्रदेश में 22 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की है। दिल्ली में आयोजित होने वाले धरना-प्रदर्शन के बाद यदि कोई सकारात्मक पहल का आश्वासन केन्द्र सरकार की ओर से मिलता है तो भविष्य की रणनीति में बदलाव संभव है।

सेवा विस्तार न मिलने पर डिग्री फूंकने का अल्टीमेटम

देहरादून(एसएनबी)। प्रदेश के राजकीय पॉलीटेक्निक संस्थानों के संविदा प्रवक्ताओं ने सरकार पर भेदभाव करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि डिग्री कालेजों के संविदा प्रवक्ताओं को सीधे सेवा विस्तार दे दिया गया, जबकि पॉलीटेक्निक संस्थानों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश जारी किया गया है। उन्होंने सेवा विस्तार न मिलने पर अपनी-अपनी डिग्रियां फूंक कर सरकार के निर्णय का विरोध करने का अल्टीमेटम दिया है।

▶ पॉलीटेक्निक के संविदा प्रवक्ताओं ने लगाया सरकार पर भेदभाव का आरोप

प्रदेश सरकार की नीति को लेकर उत्तराखंड पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षक सोसाइटी का गुस्सा थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार को सोसाइटी की बैठक में सरकार व शासन के आला अधिकारियों को जमकर खरीखोटी सुनाई गई। पदाधिकारियों का कहना है कि शासन के निर्देश पर विभिन्न पॉलीटेक्निक संस्थानों में संविदा शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू होनी वाली है।

सरकार से पिछले पांच साल से पॉलीटेक्निक संस्थानों में पढ़ाई से लेकर उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने वाले संविदा प्रवक्ताओं को सेवा विस्तार न देकर भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा दोनों विभाग मुख्यमंत्री के पास है। साथ ही दोनों विभागों के प्रमुख सचिव भी एक ही है, लेकिन इसके बावजूद संविदा प्रवक्ताओं के मामले में अलग-अलग मापदंड निर्धारित किया गया। उन्होंने कहा कि वर्षों से संस्थान की सेवा करने वाले संविदा प्रवक्ताओं का कम से कम तदर्थ नियुक्ति मिलनी चाहिए, लेकिन सरकार संविदा प्रवक्ताओं का भविष्य सुरक्षित करने के बजाय ताक पर रख दिया है।

उन्होंने कहा कि सेवा विस्तार पर न्याय न मिलने पर संविदा प्रवक्ता अपनी डिग्रियों के साथ ही मूल निवास प्रमाण पत्र फूंक कर अपना विरोध प्रदर्शन करेंगे। बैठक में पंकज सैलानी, विपिन पाल सिंह, मनोज पंवार, ललित कुमार, संगीता देवरानी, ऋचा पंवार, अनूप शाह आदि ने विचार व्यक्त किये।

टिथवाल के बहादुरों को किया याद

देहरादून (एसएनबी)। गढ़वाल राइफल्स की तीसरी बटालियन के सेवानिवृत्त सैनिकों ने आज बटालियन का 96वां स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया।

इस अवसर पर पूर्व सैनिकों ने महावीर चक्र विजेता ले. कर्नल कमान सिंह समेत विभिन्न युद्धों में वीरगति को प्राप्त हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। विधानसभा के नजदीक एक गेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व सैनिकों ने एक-दूसरे को बटालियन की स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी और सैन्य सेवा के दौरान बिताये गए पुराने दिनों को याद किया।

आयोजन

▶ गढ़वाल राइफल्स की तीसरी बटालियन का 96वां स्थापना दिवस समारोह
▶ पूर्व सैनिकों ने कहा, बटालियन का है अपना अलग स्थान

सेवानिवृत्त कर्नल इंद्र सिंह ने कहा कि गढ़वाल राइफल्स की सभी बटालियनों में तीसरी बटालियन का अपना अलग स्थान है। स्थापना के बाद से ही बटालियन के जवानों ने वीरता व विवेक के कई उदाहरण पेश किए हैं। बटालियन की स्थापना 20 अगस्त 1916 को ले. कर्नल एमटी हॉग के नेतृत्व में लैंसडाउन में हुई थी।

कार्यक्रम के संयोजक कैप्टन बलबीर सिंह रावत ने कहा कि वर्ष 1918 में तीसरी गढ़वाल राइफल्स के जवानों ने अफगान युद्ध में भाग लिया। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भी बटालियन के जवानों ने बहादुरी के साथ जंग लड़ी थी। आजादी के बाद 1948 में बटालियन ने ले. कर्नल कमान सिंह के नेतृत्व में टिथवाल चौकी पर कब्जा जमाकर पाकिस्तानी फौज को पीछे खदेड़ दिया था। इस युद्ध में तीसरी गढ़वाल राइफल्स के जवानों को एक महावीर चक्र, 18 वीर चक्र, दो शौर्य चक्र व 19 मेन्शन इन वीरता पदक मिले थे। उत्तरी कोरिया में भी बतौर शांति सेना बटालियन के कार्य को भुलाया नहीं जा सकता है। कैप्टन रावत के मुताबिक भारत-चीन व भारत-पाकिस्तान युद्ध में भी बटालियन के जवानों ने बहादुरी का परिचय दिया था। वर्तमान में कर्नल अजय कुमार बतौर कमांडिंग आफीसर बटालियन का नेतृत्व कर रहे हैं। सेवानिवृत्त कर्नल भूपेन्द्र सिंह, मेजर आरएस चौधरी, सूबेदार मेजर बलवंत सिंह, सूबेदार मेजर बीएस गड़िया आदि पूर्व सैनिक भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करते पूर्व सैनिक।

याद किये गये हिमवंत कवि 'चंद्रकुंवर'

देहरादून (एसएनबी)। *'मैं न चाहता युग- युग तक पृथ्वी पर जीना, पर उतना जी लूं जितना जीना सुंदर हो, मैं न चाहता जीवनभर मधुरस ही पीना, पर उतना पी लूं जिससे मधुमय अन्तर हो, मानव हूं मैं सदा मुझे सुख मिल न सकेगा, पर मेरा दुःख भी हे प्रभु कटने वाला हो और मरण जब आवे तब मेरी आंखों में अश्रु न हों, मेरे होंठों में उजियाली हो।* ये पंक्तियां हिमवंत कवि चंद्र कुंवर बर्त्वाल के समग्र जीवन को समझने के लिए पर्याप्त है।

सोमवार को चंद्रकुंवर बर्त्वाल के 93वें जन्म दिवस के मौके पर कला, साहित्य व संस्कृति से जुड़े लोगों ने उन्हें याद किया। न्यू रोड स्थित एक होटल में चंद्रकुंवर बर्त्वाल शोध संस्थान उत्तराखंड की ओर से एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी का शुभारंभ पूर्व आईएएस अधिकारी चंद्रसिंह ने दीप जलाकर एवं चित्र पर माल्यार्पण कर किया। कार्यक्रम में कवि बर्त्वाल की कविता का समवेत स्वर में पाठन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए वीणापाणी जोशी ने कवि द्वारा देहरादून के चाय बागानों का वर्णन व भूपेन हजारिका की कविताओं से किया। उन्होंने कहा कि मात्र 28 साल की अल्प आयु में कवि ने जिन कविताओं की रचना की है वह बड़ी उपलब्धि है।

जोशी ने कहा कि चंद्रकुंवर बर्त्वाल प्रगतिवाद के कवि थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में जिन बातों की ओर अब लोगों का ध्यान जा रहा है उन बातों को कवि ने आज से 70 साल पहले अपनी कविताओं के माध्यम से लिख दिया था। शोध संस्थान के सचिव डा. योगंबर सिंह बर्त्वाल ने राज्य सरकार से प्रदेश के माध्यमिक विद्यालय में कवि के जीवन दर्शन पर आधारित कविताओं को पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग की। इसके साथ ही गोष्ठी में कवि चंद्रकुंवर बर्त्वाल साहित्य पर चर्चा व वैश्विक दर्शन पर व्याख्यान दिया गया। डीएवी पीजी कालेज की हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष पुष्पा खंडूडी ने कवि के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि चंद्रकुंवर बर्त्वाल ने जितनी भी कविताएं लिखी उनसे पता चलता है कि वह प्रगतिवाद के कवि थे। उन्होंने कहा कि जिस दौर में यह कविताएं लिखी गई उस समय छायावाद का बोलबाला था, लेकिन इन सब से प्रभावित न होकर उन्होंने हिंदी भाषा को जो कुछ भी दिया उसका कोई मोल नहीं हैं। विवेकानंद खंडूडी ने सरकार से गढ़वाल विश्वविद्यालय में हिमवंत कवि चंद्रकुंवर पीठ की स्थापना की मांग की। इसके साथ ही गोष्ठी में वक्ताओं ने कवि की जीवनी को माध्यमिक व उच्च शिक्षा में शामिल करने की बात कही। इस मौके पर समर भंडारी, जगदीश कुकरेती, अनिल बिष्ट, मोहन सिंह नेगी, विजय राणा, वीएस भट्ट, पूरण सिंह बिष्ट, सुरेन्द्र पुंडीर, मनोज रावत आदि मौजूद थे।

▶ 93वें जन्मदिन पर कार्यक्रम

चंद्रकुंवर बर्त्वाल के चित्र पर फूल चढ़ाते लोग।

गैरसैंण को स्थायी राजधानी घोषित करने की मांग

देहरादून (एसएनबी)। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी ने आगामी दो अक्टूबर को गैरसैंण में प्रस्तावित मंत्रिमंडल की बैठक में गैरसैंण को स्थायी राजधानी घोषित करने की मांग की है। इस मांग को लेकर पार्टी ने आगामी एक अक्टूबर से गैरसैंण में 24 घंटे का सामूहिक धरना-उपवास का निर्णय लिया है।

दून में सम्पन्न पार्टी की राजनीतिक समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दो अक्टूबर को गैरसैंण में प्रस्तावित मंत्रिमंडल की बैठक पर चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने मांग की कि मंत्रिमंडल की बैठक में ही गैरसैंण को स्थायी राजधानी घोषित किया जाए तथा मुजफ्फरनगर कांड के दोषियों को दंडित करने के लिए उचित कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही बैठक में टिहरी उपचुनाव में प्रत्याशी उतारने और कांग्रेस-भाजपा की जनविरोधी नीतियों व उक्रांद की नीतियों से त्रस्त जनता को एक राजनीतिक विकल्प देने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने आपदाग्रस्त उत्तरकाशी में राहत कार्य ठीक से न चलाये जाने पर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार केवल जुबानी कार्रवाई कर रही है। पीड़ित जनता को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। बैठक में केन्द्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी, राजीव कोठारी, जयप्रकाश उत्तराखंडी, मास्टर प्रताप सिंह, प्रदीप गुरुरानी, गोविंद लाल, कुलदीप आदि मौजूद थे।

प्रत्याशी चयन को लेकर मुश्किल में छात्र

देहरादून(एसएनबी)। राजधानी के डिग्री कालेजों में छात्र संघ चुनाव की सुगबुगाहट के साथ ही जोड़तोड़ की राजनीति भी शुरू हो गई है। छात्र संगठनों के सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रत्याशी चयन को लेकर है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद व भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) में दावेदारों की संख्या अधिक होने के कारण मारा-मारी मची हुई है। इसके चलते छात्र संगठनों को अभी से ही बगावत का डर सताने लगा है।

छात्र संख्या व राजनीति के लिहाज से प्रदेश के सबसे बड़े महाविद्यालय डीएवी (पीजी) कालेज का छात्र संघ चुनाव काफी अहमियत रखता है। इसके चलते तकरीबन सभी छात्र संगठनों की नजर डीएवी पर रही रहती है। छात्र संघ के सबसे महत्वपूर्ण पद अध्यक्ष के लिए तकरीबन हर साल पुराने चिर प्रतिद्वंदी अभाविप व एनएसयूआई के बीच ही मुकाबला होता रहा है। कमोवेश ऐसी ही स्थिति इस साल भी रहने वाली है। यही कारण है कि इन दोनों संगठनों में छात्र संघ अध्यक्ष का टिकट हासिल करने के लिए जोर अजमाइश चल रही है।

▶ छात्र संघ चुनाव की सुगबुगाहट के साथ शुरू हुई राजनीति

अभाविप से महेश जगूडी, सिद्धार्थ राणा, शोभित बौड़ाई अध्यक्ष पद पर दावेदारी ठोक रहे हैं। वहीं भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन से मोहित रावत, स्वाती नेगी, मानव भंडारी के बीच टिकट हासिल करने की जंग चल रही है। अध्यक्ष पद के इन दावेदारों ने अघोषित तौर पर चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है। इसके विपरीत भले ही प्रत्याशी चयन को लेकर छात्र संगठन भी खुले तौर पर कुछ भी कहने को तैयार नहीं है, लेकिन अंदर खाने टिकट को लेकर मचे घमासान से परेशान हैं। इनके डर का मुख्य कारण टिकट न मिलने के बाद होना वाला बगावती तेवर है। इसलिए दोनों संगठन फूंक-फूंक कर कदम उठा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार बगावत का सबसे ज्यादा खतरा एनएसयूआई में मंडरा रहा है। पिछले रिकार्ड पर नजर डालें तो तकरीबन हर साल एनएसयूआई को अंदरुनी गुटबाजी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। कई मर्तबा तो खुले आम घोषित प्रत्याशी का विरोध भी देखने को मिला।

पिछले पांच साल में शायद ही कभी एनएसयूआई के सभी गुटों ने एकजुटता के साथ छात्र संघ चुनाव लड़ा होगा। इसके विपरीत अभाविप काफी हद तक अपने बागियों को मनाने में कामयाब रहता है।

सीवर के मैनहोल बढ़ा रहे लोगों की मुसीबत

देहरादून (एसएनबी)। राजधानी के कई इलाकों में सीवर के मैनहोल लोगों की परेशानियां बढ़ा रहे हैं। पिछले दो-तीन दिनों से हो रही झमाझम बारिश के चलते सीवर लाइनों में पानी का बहाव बढ़ गया है। ऐसे में कई जगहों पर मैनहोल के चोक होने से पानी तेजी के साथ सड़कों पर बह रहा है। सड़कों पर पहले की चारों ओर बारिश का पानी बह रहा है। ऐसे में सीवर के पानी ने राहगीरों की परेशानी को और बढ़ा दिया है।

▶ सीवर का पानी बह रहा सड़कों पर

तमाम सीवरों के ओवरफ्लो होने से कई स्थानों पर यातायात व्यवस्था तो पूरी तरह से प्रभावित हो रही है। तेज बहाव से आ रहा सीवर और बरसात का पानी लोगों के घरों व दुकानों में भी घुस रहा है। इस मामले में पेयजल निगम की कार्रवाई निराशाजनक है। निरंजनपुर, राजपुर रोड, कांवली रोड, गोविंदगढ़, जीएमएस रोड, गांधी रोड आदि क्षेत्रों में सीवर लाइनों से बह रहे गंदे पानी की समस्या अधिक देखी जा रही है। निरंजनपुर निवासी साकिब अली का कहना है कि पिछले तीन दिन से मुख्य मार्ग पर स्थित सीवर लाइन के मेनहोल ओवरफ्लो हो रहा है।

सीवर का गंदा पानी सड़क पर जमा हो गया है, बारिश के चलते सड़क तालाब में तब्दील हो जाती है और वहां से गुजरने में दिक्कत पेश आ रही है। संबंधित विभाग भी मेनहोल को दुरुस्त नहीं करा रहा है। तेज बहाव में सीवर का पानी पास के घरों में घुस रहा है। पेयजल निगम के प्रबंध निदेशक रविंद्र कुमार का कहना है कि अधिक बारिश के चलते इस प्रकार की दिक्कत आ रही है। जिन क्षेत्रों में ज्यादा दिक्कत हैं, वहां अधिकारियों मुआयना करने के निर्देश दे दिए गए हैं। समस्या से शीघ्र निजात दिलाई जाएगी। कुछ ही क्षेत्रों में इस प्रकार की दिक्कत हो रही है। सीवर लाइनों में कचरा अटक जाने के कारण मेनहोल ओवरफ्लो हो रहे हैं। सफाई के इंतजाम शीघ्र किए जाएंगे।

दस दिनों से डिजिटल एक्स-रे मशीन खराब, मरीज परेशान

देहरादून (एसएनबी)। दून अस्पताल में करीब दस दिनों से एक्स-रे मशीन खराब पड़ी है। इसके चलते मरीजों को डिजिटल एक्स-रे कराने के लिए प्राइवेट अस्पतालों की तरफ रुख करना पड़ रहा है।

एक बार फिर से डिजिटल एक्स-रे मशीन में खराबी आ गई है। खास बात है कि कई दिनों से खराब पड़ी मशीन को अब तक ठीक नहीं कराया जा सका है। जानकारी के मुताबिक मशीन का सीपीयू फुंक गया है। साथ ही मशीन का एक अन्य पार्ट भी खराब हो रखा है। चंद दिनों पहले ही दून अस्पताल की ओर से दिल्ली से इंजीनियर बुलाने की बात हुई थी, लेकिन अभी तक इंजीनियर देहरादून नहीं पहुंचा है। इससे पहले भी उक्त एक्स-रे मशीन कई बार खराब हो चुकी है। इस बार बड़ा फॉल्ट हुआ है। मशीन खराब होने के चलते डाक्टरों द्वारा भी अधिकांश मरीजों को सामान्य एक्स-रे से जांच कराने के लिए लिखा जा रहा है। जिन मरीजों के पर्चे में डिजिटल एक्स-रे से जांच के लिए लिखा जा रहा है, वह मरीज एक्स-रे अनुभाग से बैरंग लौटकर प्राइवेट अस्पतालों की तरफ रुख कर रहे हैं।

सामान्य एक्स-रे की तुलना में डिजिटल एक्स-रे मशीन की जांच में इमेज ज्यादा साफ आती है। फ्रेक्चर व अंदरूनी चोटों के चलते डिजिटल एक्स-रे की सलाह दी जाती है। दून अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डा. बीसी पाठक का कहना है कि मशीन ठीक करने के लिए सॉफ्टवेयर मंगाया जा चुका है। जल्द ही मशीन का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

चार डाक्टरों ने नहीं दी ज्वाइनिंग

देहरादून (एसएनबी)। दून अस्पताल से आठ डाक्टरों का स्थानांतरण होने के चलते अभी चार डाक्टरों ने ही दूसरी जगह ज्वाइनिंग ली है। चार डाक्टर अभी दून अस्पताल में ही हैं। दून अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक ने चंद दिनों पहले ही स्थांनतरण सूची में शामिल डाक्टरों को जाने के निर्देश दिए थे, साथ ही निर्देश दिए थे कि अस्पताल से न जाने वाले डाक्टरों को अस्पताल स्तर से वेतन नहीं दिया जाएगा। ईद के चलते सोमवार को अस्पताल का आफिस बंद रहा। मंगलवार को अस्पताल प्रशासन की तरफ से इस बाबत दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं।

कोरोनेशन में मोटर जली पानी के लिए तरसे मरीज

देहरादून। कोरोनेशन अस्पताल में मोटर फुंक जाने से पानी की किल्लत हो गई है। वार्डों में मरीजों को पानी नहीं मिल रहा है। इससे एक्स-रे का काम भी प्रभावित हो रहा है। हालांकि अस्पताल प्रशासन ने टैंकरों से पानी की आपूर्ति की जा रही है। दो दिनों पहले कोरोनेशन अस्पताल में मोटर जल गई थी। इसके चलते पानी की सप्लाई ठप हो गई थी। अस्पताल के वार्डों में पानी न पहुंचने के चलते अस्पताल के अधिकारी भी सकते में आ गए हैं। बीते रविवार को वार्डों में भर्ती मरीजों को खासी दिक्कतें उठानी पड़ी थीं। सबसे ज्यादा परेशानी शौचालय को लेकर हो रही है। इस समस्या से निपटने के लिए अस्पताल प्रशासन ने टैंकर मंगाकर पानी की आपूर्ति की, लेकिन टैंकर से भी अस्पताल को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाया। पानी की किल्लत से एक्स-रे के काम में दिक्कतें रहीं, क्योंकि एक्स-रे में उपयोग की जाने वाली फिल्म को धोने में भी पानी की कमी महसूस की गई।

अल्ट्रासाउंड का काम ठप

देहरादून। कोरोनेशन अस्पताल में अल्ट्रासाउंड का काम भी ठप पड़ा है। रेडियोलॉजिस्ट डा. आरके सिंह का स्थानांतरण होने के बाद से अल्ट्रासाउंड नहीं हो रहे हैं। बताया गया है कि पिछले कई दिनों से अल्ट्रासाउंड का काम अस्पताल में नहीं हुआ है। इसके चलते कोरोनेशन अस्पताल आने वाले मरीजों को भी दून अस्पताल जाना पड़ रहा है। कोरोनेशन अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. आरएस असवाल का कहना है कि रेडियोलॉजिस्ट डा. आरके सिंह की जगह हरिद्वार से डाक्टर की तैनाती कर दी गई है। मंगलवार को वह ज्वाइनिंग लेंगे।

आफत की बारिश से अभी नहीं राहत की उम्मीद

देहरादून (एसएनबी)। आसमान से बरस रही आफत की बारिश से फिलहाल राहत मिलने की उम्मीद कम है। सोमवार को ईद के अवसर पर यद्यपि पूर्वाह्न को मौसम के हालत सुधरे रहे, लेकिन अपराह्न को मेघ बरसने का सिलसिला दोबारा शुरू हो गया। इस दौरान राजधानी व आसपास के मैदानी इलाकों में मध्यम गति की बारिश हुई। जबकि पर्वतीय इलाकों में एक-दो दौर तेज बारिश होने की खबर है। अगले चौबीस घंटे के भीतर बारिश का असर जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग आदि जनपदों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। देहरादून में भी एक-दो दौर तेज बारिश होने के आसार बन रहे हैं। आज यहां पर अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.8 व 23.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

मैदानी व पर्वतीय इलाकों में तीन दिन से मेघ बरसने का क्रम जारी है। शनिवार व रविवार को मेघ आफत बनकर बरसे। इससे देहरादून समेत अधिकांश जनपदों में जनजीवन अस्त वयस्त रहा। सोमवार पूर्वाह्न को मौसम के हालत सुधरने से लोगों को कुछ राहत मिल ही रही थी कि अपराह्न को मेघ बरसने का क्रम फिर शुरू हो गया। रात्रि को भी बारिश जारी रही। उधर, पर्वतीय इलाकों में भी बारिश जारी रहने की खबर है। आपदा प्रभावित उत्तरकाशी व चमोली में बारिश का ज्यादा असर बना हुआ है। बदरीनाथ-केदारनाथ व गंगोत्री-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त हो गया है। गढ़वाल मंडल में अधिकांश संपर्क मार्ग बाधित होने से लोगों को आवाजाही में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। ऋषिकेश व हरिद्वार में गंगा का जलस्तर बढ़ने से नदी किनारे रहने वाली आबादी दहशत में है। मौसम विभाग के मुताबिक बारिश के लिहाज से अगले चौबीस घंटे भारी साबित हो सकते हैं। इस दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की चेतावनी भी विभान ने दी है। राजधानी में भी एक-दो दौर तेज बारिश होने के आसार बने हुए हैं। पर्वतीय इलाकों में यात्रा करने वालों को सतर्कता बरतने की सलाह मौसम विभाग ने दी है।

मूसलाधार बारिश से भरभराकर ढहा मकान

देहरादून। मूसलाधार बारिश के कारण जाखन क्षेत्र में कच्चा मकान भरभराकर ढह गया। हालांकि इस घटना में कोई भी चोटिल नहीं हुआ मगर लगातार बारिश ने लोगों की नींद उड़ा दी है। बारिश के चलते रिस्पना नदी में भूमि कटाव से नदी से सटे भवनों में खतरा पैदा हो गया है। भूमि कटाव के चलते ही बीते रविवार को एमडीडीए कालोनी के पास मंदिर समेत तीन निर्माण ढह गए थे। दीपनगर में रिस्पना नदी में पुस्ते क्षतिग्रस्त होने से लगातार भूमि कटाव हो रहा है। नदी के दोनों तरफ कुछ जगहों पर पुस्ते ढह गए हैं। कुछ जगह पर पुस्ते क्षतिग्रस्त होने के चलते ढहने की कगार पर है। इसके चलते आसपास बने मकानों को भी खतरा पैदा हो गया है। ऐसे ही नदी का पानी बढ़ने के कारण बलवीर रोड बस्ती व मोहिनी रोड पुल के पास भी पुस्ते क्षतिग्रस्त होने से भूमि कटाव हो रहा है। इसी तरह की स्थिति चूना भट्टा के पास, रिस्पना नगर आदि जगहों पर बनी हुई है। उधर बिंदाल नदी कांवली रोड पुल के आसपास भूमि कटाव की समस्या देखने को मिली है। बिंदाल गांधी ग्राम से सटी बस्तियों में पुस्ते क्षतिग्रस्त होने के चलते समस्या पैदा हो गई है।

बारिश की मार से सड़कें बदहाल

देहरादून(एसएनबी)। बारिश की मार से दून की सड़कों की हालत दयनीय हो गई है। कई जगहों पर हाल ही बनी सड़कें या तो उखड़नी शुरू हो चुकी है या धंसनी। अधिकांश जगहों पर सड़कों के बीच बने गहरे गड्ढे दुर्घटनाओं को दावत दे रहे हैं। जिन इलाकों में सीवर व पेयजल लाइन विछाने का चल रहा है वहां तो स्थिति विकट बनी हुई है। बारिश में घर से निकलना तक मुश्किल हो जा रहा है।

दून में सड़कों के बीचों-बीच बने गड्ढे व धंसी सड़कें दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रही है। इसमें से अधिकांश सड़कों का निर्माण बरसात से पूर्व लाखों रूपये खर्च कर किया गया था। पांच साल तक दुरस्त रहने वाली यह सड़कें एक बरसात में ध्वस्त होने से जहां लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहे हैं वहीं इनकी वजह से दूनवासियों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रिंस चौक से लेकर विंदाल पुल तक की सड़क का निर्माण लोनिवि ने बरसात पूर्व किया गया था। लेकिन अभी बरसात खत्म भी नहीं हुई की जगह-जगह सड़क पर गड्ढे बन गये हैं। इन गड्ढों को कई बार पेचवर्क कर भरा जा चुका है लेकिन कुछ ही दिन पेचवर्क भी उखड़ जा रहा है। यहीं हाल प्रिंस चौक से घंटाघर, दून अस्पताल चौक से बुद्धा चौक,कचहरी से दून अस्पताल चौक व बुद्धा चौक से दर्शनलाल चौक की है।

यहां भी सड़कों के कहीं गहरे गड्ढे बन गये हैं तो कहीं सड़क धंस चुकी है। चकराता रोड, जीएमएस रोड, कैंट रोड, ईसी रोड, हरिद्वार रोड, राजपुर रोड की हालत भी कमोबस यहीं है। जहां सीवर व पेयजल विछाने का काम चल रहा है वहीं तो स्थिति बिकट बनी हुई है। हरिद्वार रोड पर प्रिंस चौक से धर्मपुर चौक तक सड़क पर चलना दूभर हो चुका है। वहीं सुभाष रोड की हालत भी नाजुक बनी हुई है। इसके साथ इंजीनियर्स इन्क्लेब, कावली रोड, माजरा की अधिकांश सड़कें व जीएमएस रोड, डिफेंस कालोनी में तो बारिश के समय चलना किसी खतरे से कम नहीं हो रखा है। बारिश में सड़कों पर पानी भरने से यह गड्ढों और सड़क का पता करना बेहद टेढ़ी खीर बनता जा रहा है।